LOK SABHA

Wednesday, the 30th April, 1958.

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock.

[MR. SPEAKER *in the Chair*]

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

रेलवे कारखाना, मंडवाडीह

*१९२५. **श्री भक्त दर्शन** :
श्री स० चं० सामन्त :
श्री वाजपेयी :

क्या रेलवे मंत्री २२ अगस्त, १९५७ के तारांकित प्रश्न संख्या १०७७ के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि उत्तर प्रदेश में बनारस के पास मंडुवाडीह में रेल इंजन के पुर्जे बनाने वाले कारखाने की स्थापना की दिशा में इस बीच क्या प्रगति हुई है ?

रेलवे उपमंत्री (श्री शाहनवाज खां) : मंडुवाडीह में रेल-इंजन के पुर्जे तैयार करने का कारखाना खोलने के लिये एक इंजीनियर-इन-चीफ के अधीन एक संगठन बनाया गया है जिसका प्रधान कार्यालय वाराणसी में है । जिस जगह कारखाना बनाना है उसकी जांच-पड़ताल कर ली गई है ।

कारखाने के लिये ३५० एकड़ जमीन की जरूरत है जिसमें से ३३१ एकड़ जमीन भूमि अभिग्रहण अधिनियम के आपात-उपबन्ध (Emergency Provision of the Land Acquisition Act) के अधीन ली जा चुकी है । बाकी जमीन ली जा रही है ।

कारखाने के लिये तकनीकी कर्मचारियों की जरूरत पूरी करने के लिये एक तकनीकी ट्रेनिंग स्कूल बनाया जा रहा है । इस स्कूल के साथ एक बेसिक ट्रेनिंग वर्कशाप और एक होस्टल भी बनाये जा रहे हैं । आशा है कि लगभग तीन महीने में ८० ट्रेंड अप्रेन्टिसों की पहली टोली की ट्रेनिंग शुरू हो जायेगी ।

श्री भक्त दर्शन : इस बयान से मालूम होता है कि अभी पूरी जमीन भी प्राप्त नहीं की गई है और अभी तो केवल तैयारियां ही हो रही हैं । मैं जानना चाहता हूं कि इसमें इतनी देरी होने का क्या कारण है ?

श्री शाहनवाज खां : जी ये महज तैयारियां ही नहीं हैं । ३५० एकड़ में से ३३१ एकड़ जमीन यू० पी० गवर्नमेंट ने हमारे हवाले कर दी है । थोड़ी सी बाकी रह गई है और वह भी बहुत जल्दी मिल जायगी ।

श्री भक्त दर्शन : क्या माननीय मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि इस सम्बन्ध में जो तैयारियां हो रही हैं, उसके बाद उस संस्था का काम कब से शुरू हो जायेगा, वास्तविक रूप में ?

श्री शाहनवाज खां : कुछ काम अभी जारी है मकान वगैरह बनाने का । मशीनरी दूसरे मुल्कों से मंगाई जायेगी जिसके लिये फारेन एक्सचेंज की जरूरत है । वह भी किसी हद तक मंजूर हो चुका है और मैं उम्मीद करता हूं कि जो काम है वह पूरे जोर के साथ जल्दी ही शुरू हो जायेगा ।

श्री भक्त दर्शन : मैं जानना चाहता हूं कि इस फैक्ट्री पर कुल कितना रुपया लगने वाला है और उसमें फौरेन एक्सचेंज पर कितना रुपया लगेगा और उस फौरेन

एक्सचेंज को प्राप्त करने के लिये क्या कोशिश की जा रही है ?

श्री शाहनवाज खां : कुल रुपया लगभग पांच करोड़ इस पर खर्च आयेगा जिसमें से १ करोड़ १४ लाख रुपये के करीब फौरेन एक्सचेंज का उसमें एलिमेंट है । इसमें से तकरीबन ८० लाख रुपया फाइनेंस मिनिस्ट्री ने फौरेन एक्सचेंज के लिये रिलीज कर दिया है । बाकी जो है उसके बारे में भी मैं उम्मीद करता हूं कि जल्दी ही वह भी आ जायेगा और कोई बड़ी दिक्कत शायद हमारे सामने न आये ।

Shri Tangamani: May I know the period of training for the 80 trade apprentices who are going to receive training three months hence?

Shri Shahnawaz Khan: That is a matter of detail, and there is still some time to go. I could not give the exact period.

Shri Tangamani: Is it a long training or is it just for a few months?

Mr. Speaker: It is a matter of detail.

Shri Shahnawaz Khan: It is a fairly long training.

Shri Damani: May I know the capital and the repairing capacity of this factory, and how many persons will get employment in that factory?

Shri Shahnawaz Khan: We are expecting that approximately 2300 persons will be employed in this factory. The annual capacity of this factory, we hope, is going to be 1200 tons of machine (heavy and light) forging, 3000 tons of machine (ferrous) castings, and 840 tons of non-ferrous machine castings. This is the output in addition to other things.

Shri Joachim Alva: Having taken an overall account of the number of locomotives necessary for the next five years, may I know whether we have also taken into account the imports we are making of locomotives both from the East and from the West?

Shri Shahnawaz Khan: All that has been taken into consideration.

Shri Goray: Are Government satisfied that the necessary parts cannot be manufactured in the existing workshops on the railways?

Shri Shahnawaz Khan: This matter was gone into very carefully by the Workshops Reviewing Committee, and it is as a result of the recommendations of the Workshops Reviewing Committee that this factory is being put up.

Shri Feroze Gandhi: May I know whether Government have now entered into an agreement with the Tata Locomotive Co. for the production of 100 locomotives a year? By 1960-61, these 100 locomotives a year will not be required by the railways. May I know whether Government have taken this into account and arranged their further production beyond 1960-61 accordingly, because the requirements would have been completed, and 100 will not be required?

Shri Shahnawaz Khan: We are anticipating our requirements and making arrangements as far as possible.

Shri Subbiah Ambalam: Is there any proposal to have a training school attached to these workshops, and if so, their capacity, and the duration of the course?

Shri Shahnawaz Khan: I think the same question was asked before. Yes, there is going to be a training school.

Shri Goray: Will Government make the report of the Reviewing Committee available to us?

Shri Shahnawaz Khan: I think it is already in the Library of the House.